साहित्य मकरंद

डॉ. रंजना मिश्रा

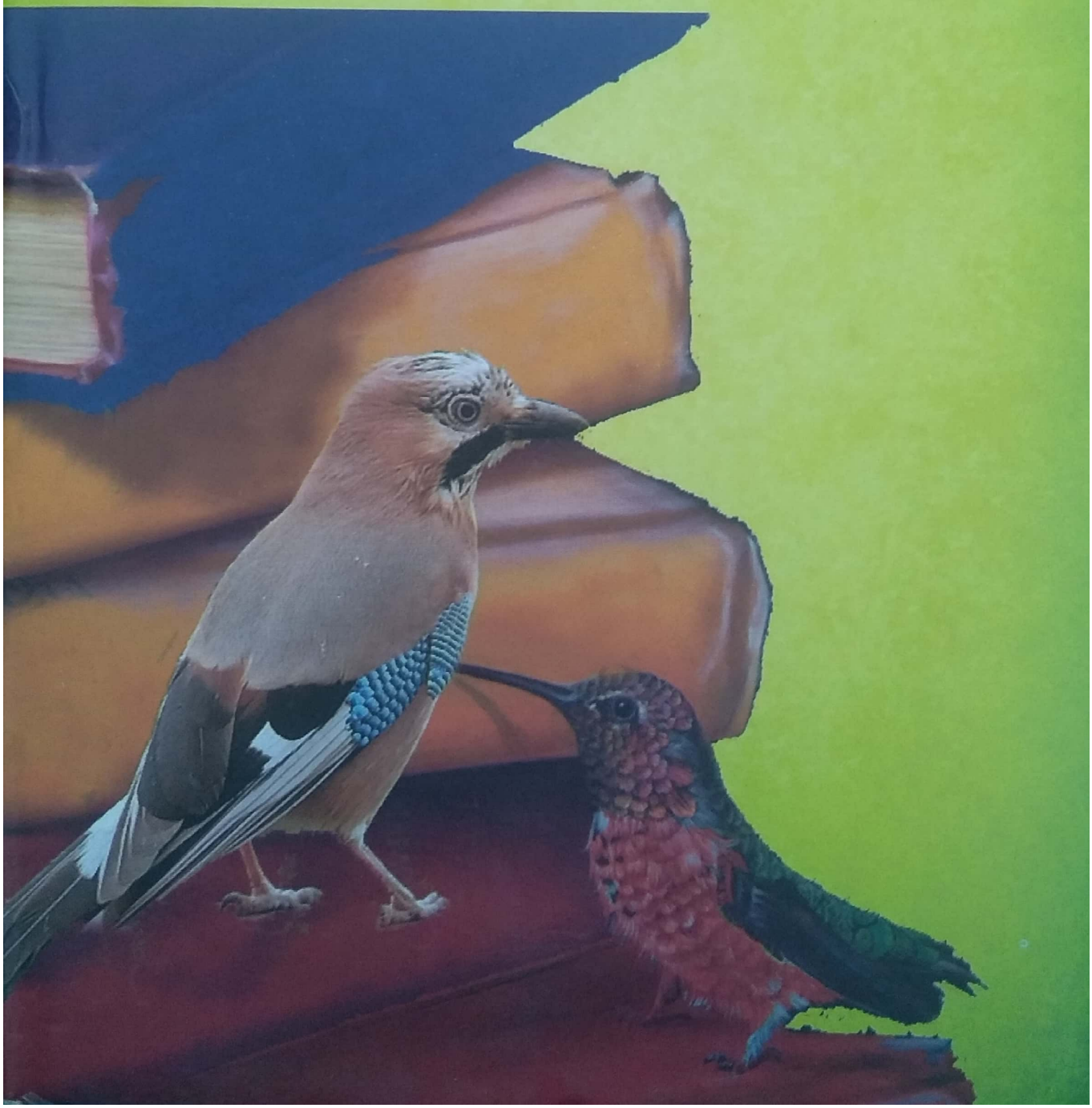

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. रंजना मिश्रा

जन्म : 29 नवम्बर 1961

स्थान : सागर, मध्य प्रदेश

शिक्षा : 1983 में डॉ. हरीसिंह गौर विश्व-विद्यालय, सागर, म.प्र. से एम.ए.। 02 जून 1987 को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर से शोध-उपाधि।

प्रकाशन : पुस्तकें – *साहित्य : समकालीन सरोकार; बुन्देलखंड : सांस्कृतिक वैभव; बुन्देली शब्द कोश; बुन्देलखंड : लोकाभिव्यक्ति के प्रमुख माध्यम।* राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं एवं पुस्तकों ईसुरी, रिसर्च लिंक-इन्दौर, रिसर्च जर्नल-रीवा, नवीन शोध संसार-नीमच, साहित्य सरस्वती-सागर, समकालीन भारतीय समाज में अपराध- डॉ. अखिलेश शुक्ल, भारत में नगरीय समाज - डॉ. बृजकिशोर शुक्ल, में समय-समय पर लेखों का प्रकाशन

परियोजना कार्य (प्रोजेक्ट) : विश्व-विद्यालय अनुदान आयोग (U.G.C.) द्वारा प्रदत्त 'बुन्देली शब्द सम्पदा एवं उसके विविध स्त्रोत' विषय पर परियोजना कार्य।

सम्प्रति : 01 जनवरी 1987 से महाविद्यालयीन सेवा में। वर्तमान में शासकीय कला एवं वाणिज्य 'अग्रणी' महाविद्यालय सागर में पदस्थ।

सम्पर्क : HIG-71 दीनदयाल नगर, मकरोनिया, सागर, (म.प्र.) मोबाइल - 8959835644

ई-मेल: ranjanamishra206@gmail.com

Scanned with OKEN Scanner

साहित्य-मकरंद

डॉ. रंजना मिश्रा

अनुज्ञा

Scanned with OKEN Scanner

अनुज्ञा

वैधानिक चेतावनी
पुस्तक के किसी भी अंश के प्रकाशन, फोटो कापी, इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में उपयोग के लिए लेखक / प्रकाशक की लिखित अनुमति आवश्यक है। किसी भी विवाद के लिए न्यायालय दिल्ली ही मान्य होगा।

© लेखक

प्रथम संस्करण : 2017

ISBN 978-81-933400-6-6

प्रकाशक

अनुज्ञा बुक्स

1/10206, लेन नं. 1, वेस्ट गोरख पार्क

शाहदरा, दिल्ली-110 032

फोन : 011-22825424, 09350809192

email: anuugyabooks@gmail.com

www.anuugyabooks.com

मूल्य : 350.00 रुपये

हिन्दी टंकण : मनोज रजक

मुद्रक

अर्पित एण्टरप्राइजेज, दिल्ली-32

SAHITYA MAKARAND

A Critical Analysis *by* Dr. Ranjna Mishra

Scanned with OKEN Scanner

अनुक्रम

भाव-भूमि 7

1. वर्तमान भारतीय समाज के सन्दर्भ में कबीर साहित्य की प्रासंगिकता 11
2. जायसी की काव्य-दृष्टि : एक पुनर्मूल्यांकन 15
3. तुलसी के साहित्य में समन्वयवादिता 19
4. भारतीय संस्कृति के सफल व्याख्याता : श्री मैथिलीशरण गुप्त 24
5. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' के काव्य में राष्ट्रीय स्वर 29
6. प्रसाद काव्य में लौकिक और आध्यात्मिक पक्ष : 'आँसू' का सन्दर्भ 34
7. निराला की सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि 38
8. पन्त की काव्य-यात्रा के विविध आयाम 42
9. युग गायक राष्ट्रकवि : माखनलाल चतुर्वेदी 45
10. नागार्जुन के काव्य में समसामयिक चेतना 48
11. बाणभट्ट की आत्मकथा : सांस्कृतिक आख्यान 53
12. किसानों की विश्वव्यापी समस्या और प्रेमचन्द का समाधान : कर्मभूमि का सन्दर्भ 56
13. आधुनिक युग का कबीर : व्यंग्यकार परसाई 60
14. रंगमंच का शिल्पकार : नाटककार मोहन राकेश 67
15. दुष्यन्त कुमार की गज़लों में युगीन चेतना 72
16. युगीन सन्दर्भों के कवि 'ज्वालाप्रसाद ज्योतिषी' 77

Scanned with OKEN Scanner

17. मनोविश्लेषणवादी कहानीकार : इलाचन्द्र जोशी 82
18. महिला सशक्तीकरण की प्रमुख हस्ताक्षर : मीना ताई 85
19. आधुनिक हिन्दी काव्य में नवगीत आन्दोलन 89
20. हिन्दी उपन्यासों में व्यक्त आदिवासी विमर्श 93
21. जीवन-मूल्य और आधुनिक काल 95
22. सामाजिक उत्थान : हिन्दी कहानी का सन्दर्भ 99
23. आधुनिकता और नारी : भारतीय सन्दर्भ 103
24. व्यक्तित्व विकास और मीडिया : भाषायी सन्दर्भ 108
25. टी.वी. के हिन्दी चैनल और बढ़ते अपराध : महिलाओं के विशेष सन्दर्भ में 111
26. उच्च शिक्षा में सेमेस्टर पद्धति की प्रासंगिकता : मध्य प्रदेश का सन्दर्भ 114
27. वर्तमान सन्दर्भ में हिन्दी के उन्नयन के प्रयास 117
28. वर्तमान समय में उच्च शिक्षा की चुनौतियाँ और समाधान 120
29. शिक्षा का स्तर सुधारने में अध्यापक की सक्रिय भूमिका 125
30. बुन्देलखण्ड : स्वर्णिम इतिहास 131

Scanned with OKEN Scanner

अनुज्ञा बुक्स
दिल्ली-110032

Scanned with OKEN Scanner